Title: Need to look into the working of Bokaro Thermal Power Station in Bihar.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह) : महोदय, बोकारो थर्मल पावर स्टेशन का 'ए' प्लांट प्रदूाण नियंत्रण मशीन नहीं लगने के कारण एकाएक प्रबंधन द्वारा बंद कर दिया गया, जिसके कारण प्लांट को करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है और 600 मजदूर प्रभावित हैं। यद्यपि इस प्लांटमें प्रदूाण नियंत्रक मशीन लगाने का निर्णय दो वर्ा पूर्व लिया गया था, परंतु दामोदर घाटी निगम ने इस प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया। यदि समय पर निर्णय लिया गया होता तो प्लांट को अब तक करीब 18 करोड़ रुपये की हानिनहीं होती। इसके बावजूद भी प्लांट कब तक बंद रहेगा और घाटे की राशि कितनी बढ़ेगी, यह प्लांट के प्रबंधकों और डी.वी.सी. पर निर्भर करेगा।

इसी प्रकार बोकारो थर्मल पावर स्टेशन के ' बी' संयंत्र के राख के टैंक में दरार आ जाने के कारण बॉटम राख का रिसाव हुआ। इसके मरम्मत पर बड़ी धनराशि का व्यय हुआ और प्रदूाण फैला, परन्तु प्रबंधन ऐसी घटना से इनकार करती है।

अतः सरकार से आग्रह है कि उपर्युक्त मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और वित्तीय अनियमितताएं और मजदूर विरोधी कार्यों में संलग्न प्रबंधकों के विरुद्ध कार्र वाई की जाए।